पशुपालक मित्र 4(2): 5-6; अप्रैल, 2024
ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

गोवंश में संक्रमण काल के कारण, रोकथाम एवं प्रबंधन

डॉ.बृजेश कुमार यादव[1], डॉ कविशा गंगवार[2] एवं डॉ. विकास सचान[3]*

[1]पीएचडी स्कालर,पशु पुनरुत्पादन विभाग, आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज़्ज़तनगर, बरेली,
[2]सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, दुवासु, मथुरा, उत्तर प्रदेश
[3]सहायक आचार्य,मादा एवं प्रसूति विज्ञान विभाग, दुवासु,मथुरा, उत्तर प्रदेश

संक्रमणकालीन गाय का प्रबंधन सबसे चुनौतीपूर्ण अवधियों में से एक होता है। संक्रमण अवधि ब्याने से 21 दिन पहले से ब्याने के 21 दिन बाद तक का समय होता है। "संक्रमण" से तात्पर्य डेयरी गायों से है जो देर से गर्भधारण के दौरान लगभग रखरखाव की स्थिति से तेजी से बढ़ी हुई चयापचय और स्तनपान की शुरुआत के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की मांग की स्थिति में बदल जाती हैं। यह सुझाव दिया गया है कि डेयरी गायों द्वारा अनुभव किए जाने वाले 80% तक चयापचय संबंधी विकार या उत्पादन रोग संक्रमण अवधि के दौरान ही होते हैं।

कारण-संक्रमण चरण का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है क्योंकि गायों को तेजी से बढ़ते भ्रूण और उन्नत गर्भावस्था के कारण तनाव होता है। इस दौरान जानवर चारा खाना कम कर देता है ,जिससे उसकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और पशुओ मे थनैला और मेट्राइटिस के होने की संभावना बढ़ जाती हैऔर उनके खुर भी कमजोर पड़ जाते है।

रोकथाम-संक्रमणकालीन गाय की समस्याओं को रोकने के लिए , हमें गाय द्वारा नकारात्मक ऊर्जा संतुलन के साथ बिताए जाने वाले समय को कम करना चाहिए है। ऐसा करने के लिए , गाय को पर्याप्त मात्रा मे दानादेना चाहिए और गायों को अधिकतम चारा खिलाना चाहिए। संतुलित आहार के साथ- साथ गायों को पर्याप्त कैलोरी की आवश्यकता भी पड़ती है।बाड़े की जगह , राशन, चारा मिश्रण, चारा वितरण, पानी की उपलब्धता और कई अन्य चीजेंखाने को प्रभावित करती हैं।

जब गाय बछड़ा देती है ,तो गाय के दूध में अचानक कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। पशुओ के शरीर विज्ञान की जटिलताओं के कारण , गाय अपने आहार या अपनी हड्डियों से अपने शरीर में कैल्शियम का उपयोग नहीं कर पाती है जैसा कि वह आमतौर पर करती आती है।

• कैल्शियम को ठीक से विनियमित करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप गाय के सामान्य शारीरिक कार्य के लिए जैव-उपलब्ध कैल्शियम की कमी हो जाती है।

• कैल्शियम मांसपेशी संकुचन प्रक्रिया का एक प्रमुख घटक है , और जब यह उपलब्ध नहीं होता है, तो मांसपेशियां उचित रूप से उसका अनुबंध नहीं करपाती हैं।

• एक नैदानिक मामले में, परिणाम यह होता है कि गाय खड़ी होने में असमर्थ हो जाती है।

• संक्रमण अवधि इन समस्याओं को कम करने के लिए ब्याने से पहले और ब्याने के बाद दोनों समय पूरकता प्रदान करने या एक निश्चित तरीके से आहार लेने के अवसर देती है।

प्रबंधन

ख़राब संक्रमण प्रबंधन के अक्सर निम्नलिखित परिणाम होते है

• चयापचय संबंधी विकारों की उच्च घटना
• भूख कम लगना और शुष्क पदार्थ का कम सेवन
• एसिडोसिस
• ब्यांत के बाद पहले महीने में शरीर की स्थिति का तेजी से नुकसान
• गर्भधारण की दर ख़राब होना।

शुष्क और संक्रमण काल के दौरान गाय के प्रबंधन के लक्ष्य हैं

- एक स्वस्थ बछड़ा पैदा करने के लिए
- ताकि कम से कम स्वास्थ्य समस्याएं हों
- गायों को उच्च दूध उत्पादन में लाना
- शारीरिक स्थिति स्कोर के नुकसान कोकम करने के लिए
- पहले ओव्यूलेशन के दिनों को नियंत्रित और प्रजनन क्षमता को बनाए रखें

संक्रमणकालीन गायों के फार्म प्रबंधन में गाय के लिए आराम , बेडिंग मटेरियल्स , वेंटिलेशन, पर्याप्त स्थान, स्वच्छता और स्वास्थ्य प्रबंधन शामिलहोना चाहिए।

पोषण प्रबंधन भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है जो की निम्नलिखित है

• दिन में 3-4 बार ताज़ा राशन प्रदान करें।

• पूरक बफर, नमक और कैल्शियम से बचें। रक्त में कैल्शियम की कमी को रोकने के लिए ऋणायन लवण मिलाएं

• यीस्ट कल्चर मिलाएं (चयनित उत्पाद के आधार पर प्रति दिन 10 से 12ग्राम) । यह महत्वपूर्ण है कि इन गायों में रूमेन सूक्ष्मजीव और रूमेन पैपिला दूध देने वाली गायों को खिलाए जाने वाले चारे के अनुकूल हों।

• तेजी से बढ़ते भ्रूण के कारण सूखी गाय की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए संक्रमण अवधि के दौरान बढ़े हुए पशु आहार की आवश्यकता होती है।

निष्कर्ष

संक्रमण काल गाय के उत्पादक चक्र में एक महत्वपूर्ण आयाम होता है क्योंकि यह गाय पर कई अचानक परिवर्तन डालता है जो की पशु के दूध देने से लेकर अगली बार दूध देने तक 'शारीरिक परिवर्तन' में होता हैं और इसलिए सफल डेयरी फार्मिंग के लिए उचित प्रबंधन की आवश्यकता होती है। स्वस्थ पोषण की सभी अवधारणाएँ जो ब्याने से पहले की संक्रमण अवधि में महत्वपूर्ण हैं , ब्याने के बाद की संक्रमण अवधि में भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं। रूमिन एसिडोसिस के जोखिम को नियंत्रित करने के लिए उच्च सांद्रता वाले आहार के लिए रूमिन का निरंतर अनुकूलन महत्वपूर्ण होता है, खनिज चयापचय के साथ-साथ ऊर्जा और प्रोटीन चयापचय पर सावधानीपूर्वक ध्यान देना ,ज्यादा दूध देने के लिए आवश्यक है। नकारात्मक ऊर्जा और प्रोटीन संतुलन की गहराई और लंबाई को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पर्याप्त कैल्शियम , मैग्नीशियम और फास्फोरस का प्रावधान होता है। पोषण संबंधी पहलुओं के अलावा , संक्रमणकालीन गायों के प्रभावी प्रबंधन के लिए शेड भी बहुत महत्वपूर्ण है , विशेष रूप से चयापचय संबंधी गड़बड़ी से उत्पन्न होने वाली संभावित जटिलताओं की घटनाओं को कम करने के लिए।